Library

School of Planning and Architecture, Bhopal

S.No.04 November,2021

दैनिक जागरण 21/09/2022 पेज क्र 07

मानव संग्रहालय में लोकरूचि व्याख्यान

पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़कर संग्रहालय को आधुनिक बनाने की जरूरत : डॉ.कवठेकर

जागरण सिटी रिपोर्टर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यान माला के अंतर्गत मंगलवार को 'म्यूजियम्स प्लेस ट्रान्सफार्मिंग टाइम टू नेरेटिव्स ऑफ पास्ट' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान को डॉ. विशाखा कवठेकर, विभागाध्यक्ष संरक्षण विभाग स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर ने संबोधित करते हुए कहा कि संग्रहालय मानव जाति की गाथा को देश के काल एवं स्थान के परिपेक्ष्य में देश के समृद्ध खजाने को अपने प्रदर्शनी के माध्यम से लोगो को शिक्षित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे संग्रहालय अतीत और भविष्य के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वर्तमान में कोविड से उपजी समस्याओं से प्राप्त अनुभव को ध्यान में रखते हुए संग्रहालयों को अपनी पारम्परिक भूमिका से आगे बढ़कर कई परिवर्तन कर, एलईडी वॉल जैसे बड़े तकनीकी उपकरणों का उपयोग कर संग्रहालयों को आधुनिक बनाने की जरुरत आन पड़ी। इन सब के लिए ऊर्जा, वित्त, और रखरखाव की मांगों के कारण इन्हें भारत में बनाना और बनाए रखना मुश्किल काम लगाता है। रेडीमेड इंस्टेंट अनुभव के इस युग में दर्शकों को प्रादर्श की प्रमाणिकता जानने एवं कल्पना कर उसके भाव समझने में नुकसान संभव दिखाई दे सकता है, ऐसा इसलिए है कि हम संग्रहालयों की भूमिका को उन स्थानों के रूप में नहीं देखते हैं जो सृजित अनुभवों को लोगों की मांगों को पूरा करते हैं, बल्कि उन्हें अतीत के आख्यानों के स्थान के रूप में देखते हैं। हमें संग्रहालयों में प्रदर्शित कलाकृतियों की कई तरह से व्याख्या करना चाहिए साथ ही, संग्रहालयों को बहुविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना चाहिए। संग्रहालयों को अतीत के सौन्दर्यात्मक और दार्शनिक पहलुओं को शोध करके उसके विभिन्न पक्षों को उद्घाटित करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संग्रहालय के निदेशक डॉ. पीके मिश्र ने की। कार्यक्रम का संचालन संग्रहालय एसोसिएट गरिमा आनंद ने किया।